

26/5/26

पुष्पावली में ही कविवर्यता दानि। वासी  
स्वप्न दानि वास पर कागे नही  
चलांग चाहते ही कविवर्यता वास  
इस काश्य का गर्भान पर उरुत  
किया गया वास पर युंकि  
वासी स्वप्न कागे नही चलांग  
चाहना ही इत लिये इही स्त  
पर स्वरिज किया वाला ही  
पुष्पावली केसला बेकल दारिदल  
दमल बेकल

NOT Bred  
वासी  
रामराम

3:11 PM  
26.05.26